Dainik Bhaskar (Indore), 21st August 2024, Page-06

हायर एजुकेशन | 2018 में 7.59 प्रतिशत थी भागीदारी, अब 22.52 फीसदी हो गई है

आईआईटी में 6 साल में तीन गुना बढ़ी गर्ल्स, 115 ने लिया प्रवेश

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) में गर्ल्स की संख्या बढ़ाने के लिए लागू किए सुपरन्यूमरेरी कोटा का असर अब दिखने लगा है। इस बार आईआईटी इंदौर में बीटेक करने वाली गर्ल्स का प्रतिशत 22.52 हो गया है, जो पिछले वर्षों की तुलना में सर्वाधिक है। इससे पहले 2018 में संस्थान में महज 7.59 प्रतिशत गर्ल्स थी। मेडिकल की

तरह अब इंजीनियरिंग में भी लड़कियों की दिलचस्पी बढ़ती नजर आ रही है। कुछ साल में आईआईटी जैसे संस्थानों में गर्ल्स की संख्या लगातार बढ़ रही है। आईआईटी इंदौर में पहली बार गर्ल्स की संख्या 20 प्रतिशत के पार पहुंची है। बीटेक के सभी ब्रांच में पढ़ने वाली गर्ल्स का प्रतिशत 20.52 हो गया है। आईआईटी के पीआरओ डॉ. सुनील कुमार का कहना है कि सभी ब्रांच में गर्ल्स एडमिशन ले रही हैं। इस बार बीटेक में 514 एडमिशन हुए जिनमें 115 गर्ल्स शामिल हैं।

इतने प्रतिशत गर्ल्स ने इन सत्रों में लिया प्रवेश

2018-19	7.59
2019-20	9.94
2020-21	13.19
2021-22	16.46
2022-23	19.31
2023-24	20.52

जेंडर बैलेंस के लिए कोटा लागू किया

एक्सपर्ट का कहना है कि 2022-23 में देश के 23 आईआईटी में 3310 सीटों पर गर्ल्स ने एडमिशन लिया था। यह कुल सीटों की संख्या में 20 प्रतिशत है। सुपरन्यूमरेरी कोटा 2018 में लागू किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य पढ़ाई के क्षेत्र में जेंडर बैलेंस करना था। इस कोटा से गर्ल्स के लिए अतिरिक्त सीटें बढ़ाई गई थी। कोटा लागू होने के बाद से हर साल आईआईटी में गर्ल्स की संख्या बढ़ती हुए नजर आ रही है।